



दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

RNI NO - CHHIN/2018/76480

Postal Registration No-055/Raigarh DN CG

रायगढ़, शुक्रवार 16 दिसंबर 2022

पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए

वर्ष-05, अंक- 79

महत्वपूर्ण एवं खास

कंबल वितरण कार्यक्रम में मची

भगदड़, तीन महिलाओं की मौत

कोलकाता (आरएनएस)। पश्चिम बंगाल से बड़ी खबर सामने आ रही है। यहाँ, पश्चिम बर्धमान के आसनसोल में आज शाम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के कंबल वितरण कार्यक्रम में भौड़ उमड़ने से भगदड़ मच गई। इस भगदड़ में तीन लोगों की मौत की खबर आने आई है। बताया जा रहा है कि पांच अन्य घायल हो गए हैं। ये घटना उस समय हुई, जब शुभेंदु अधिकारी अपना भाषण खत्म कर कार्यक्रम स्थल से चले गए। इस कार्यक्रम का आयोजन आसनसोल के पूर्व मेयर और बीजेपी नेता जितेंद्र तिवारी ने किया था। घायलों को आसनसोल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुभेंदु अधिकारी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। वहीं इस हादसे के बाद से टीएमसी ने शुभेंदु अधिकारी पर हमलावर हो गई है। उसने इस हादसे के लिए नेता प्रतिपक्ष को दोषी ठहराया है। टीएमसी प्रवक्ता कुणाल घोष ने आरोप लगाते हुए कहा कि कहते हैं बीजेपी ने पुलिस की अनुमति के बिना इस अवैध रैली का आयोजन किया। गरीबों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया गया।

कर्नाटक के मंत्री ने अयोध्या में राम

मंदिर के लिए चांदी की ईंट भेंट की

बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के मंत्री डॉ सी.एन. अश्वथनारायण के नेतृत्व में 150 भक्तों की एक टीम ने उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर में चांदी की ईंट चढ़ाई। माता सीता को रेशम की साड़ी भेंट की गई और भगवान राम और लक्ष्मण को शल्य चढ़ाया गया। 'भारत माता की जय', 'गंगा माता की जय', 'सरयू माता की जय', 'जय श्री राम' और अन्य के नारों के बीच मंत्री ने राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपक राय और राम मंदिर न्यास के पदाधिकारियों को चंदा सौंपा। कर्नाटक के रामनगर से श्रद्धालु सुबह 11 बजे मंदिर परिसर पहुंचे। कर्नाटक मूल के पुजारी गोपाल भट और उनके साथियों ने चांदी की ईंट, रेशम की साड़ी और शल्य की पूजा की। पुजारियों ने अयोध्या में पत्रिका की गई पत्रिका मिट्टी को भी भक्तों को सौंपा। मंत्री ने टवीट किया, रामनगर में अयोध्या और हमारे रामदेवरा बेड़ा के बीच एक पारंपरिक संबंध है। (अब आप जानते हैं कि नाम कैसे रखा गया है)। पत्रिका मिट्टी को राम मंदिर से एकत्र किया गया है और रामदेवरा बेड़ा में चढ़ाया जाएगा। मंत्री नारायण ने कहा कि इस पत्रिका मिट्टी को रामदेवरा बेड़ा में ले जाया जाएगा और वहाँ की मिट्टी में मिलाया जाएगा।

दो बच्चियों के साथ कुएं में कूदा

शख्स, हुई मौत

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। केरल के विश्वरूप में एक शख्स ने अपनी दो बेटियों के साथ कुएं में छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। शिहाब नाम के शख्स की पत्नी ने उसे ऐसा करने से रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने बात नहीं मानी और बच्चियों के साथ कुएं में कूद गया। शिहाब की पत्नी लड़कियों को बचाने में कामयाब रही, लेकिन कुएं में कूदने के दौरान सिर में चोट लगने से शिहाब की मौत हो गई। छोटा मोटा काम करने वाला शिहाब ने आर्थिक तंगी के चलते ये कदम उठाया। कोविड महामारी ने उसके व्यवसाय पर भारी असर डाला और उसके कर्ज काफी बढ़ गए थे। इसके अलावा, उसकी एक बेटी को स्वास्थ्य संबंधी समस्या है और उसे सर्जरी की जरूरत है, सूत्रों ने ये जानकारी दी।

देश में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों की संख्या बढ़कर 30 हुई : केंद्र सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। लोकसभा में बताया गया कि छह और हवाईअड्डों के एलिवेटेड या निर्माण के साथ, देश में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों की संख्या पिछले सात वर्षों में बढ़कर 30 हो गई है। नागरिक उड़्डयन राज्य मंत्री वी. के. सिंह ने एक लिखित उत्तर में कहा कि पिछले सात वर्षों के दौरान, चार ग्रीनफील्ड हवाई अड्डों (केरल में कन्नूर, महाराष्ट्र में शिरडी, उत्तर प्रदेश में कुशीनगर और गोवा में मोपा) का निर्माण अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों के रूप में किया गया है। इसके अलावा, दो मौजूदा हवाईअड्डों, आंध्र प्रदेश में विजयवाड़ा और तिरुपति को वर्ष 2017 में अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डों के रूप में घोषित किया गया था। मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम को निरस्त करने के बाद, भारतीय परेलु विमानन बाजार को नियंत्रण मुक्त कर दिया गया था। नतीजतन, एयरलाइंस इस संबंध

भारत ने किया परमाणु संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का सफल परीक्षण

बालासोर (आरएनएस)। भारत ने आज जमीन से जमीन पर मार करने की क्षमता वाली परमाणु संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का रात्रि परीक्षण सफलतापूर्वक किया। ये मिसाइल पांच हजार किलोमीटर तक सटीक मार करने की क्षमता रखती है। यह परीक्षण ओडिशा के बालासोर तट स्थित अब्दुल कलाम परीक्षण केंद्र पर किया गया।

इस मिसाइल की रेंज में इसमें पाकिस्तान और चीन तो आ ही रहे हैं, साथ ही रूस, यूक्रेन और इंडोनेशिया जैसे देश भी इसकी जद में हैं। यह मिसाइल डीआरडीओ और भारत डायनमिक्स लिमिटेड ने मिलकर बनाई है। इसका वजन 50 हजार किग्रा है। इसकी लंबाई 17.5 मीटर लंबी है और इसका व्यास 2 मीटर है। अग्नि-5 मिसाइल में 1500 किलो के परमाणु हथियार लगाए जा सकते हैं। इसमें जो रॉकेट बूस्टर हैं, वह तीन स्टेज



पर लगाए गए हैं। यह ध्वनि की गति से 24 गुना तेज है। यह एक सेकंड में 8.16 किमी की दूरी तय करती है। अग्नि-5 मिसाइल 29,401 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से दुबन पर हमला करती है। इसमें रिंग लेजर गाइडेंस और इन्वर्शियल नेविगेशन सिस्टम, जीपीएस, नवलसी सैटेलाइट गाइडेंस सिस्टम लगा हुआ है। अग्नि-5 मिसाइल टारगेट पर सटीकता से हमला करता है। अगर टारगेट अपनी जगह से हटकर 10 से 80 मीटर तक भी जाता है तो उसका बचना मुश्किल है।

ड्रैगन पर रहेगी अब करीब से नजर, एलएसी पर बढ़ाई गई भारतीय जवानों की संख्या

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत और चीन के बीच 9 दिसंबर को तवांग में हुई हिंसक झड़प के बाद भारतीय सेना पूरी तरह से अलर्ट है। चीन बॉर्डर पर किसी भी तरह की हिमाकत नहीं कर सके, इसके लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इस बीच, लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर बुमला पास पर अतिरिक्त भारतीय जवानों की तैनाती की गई है। तवांग में जिस जगह भारत और चीन की सेनाओं के बीच टकराव हुआ था, वहां से बुमला की दूरी तकरीबन 35 किलोमीटर है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, सेना के बड़ी संख्या में जवानों की तैनाती कर दी गई है। उनके पास निगरानी उपकरण और कई तरह के रडार भी उपलब्ध हैं, जिसकी मदद से वे बॉर्डर के दूसरी ओर होने वाली हर गतिविधियों से अवगत रह रहे हैं।



श्रद्धा हत्याकांड : उपराज्यपाल ने पुलिस को विशेष सरकारी वकील नियुक्त करने की मंजूरी दी

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने श्रद्धा वाकर हत्याकांड के संबंध में विशेष लोक अभियोजकों की नियुक्ति के लिए दिल्ली पुलिस के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। रिपोर्टों के अनुसार, अदालत में अधिवक्ता

मधुकर पांडे और अमित प्रसाद, श्रद्धा मामले में विशेष लोक अभियोजक के रूप में दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस बीच, गुरुवार को एक सूत्र ने बताया कि फॉरेंसिक टीमों द्वारा फ्लैट से लिए गए ब्लड के सैंपल श्रद्धा वाकर से मेल खा गए हैं।



दिल्ली पुलिस को अभी तक डीएनए और पॉलीग्राफ टेस्ट की रिपोर्टें मिली हैं जबकि नाकों टेस्ट की रिपोर्टें अभी बाकी हैं। पुलिस ने कहा कि वे तीनों रिपोर्ट आने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश करेंगे। सूत्रों के अनुसार, महरीली वन क्षेत्र से बरामद

पार्टनर श्रद्धा के शरीर के कई टुकड़े करके उनको जंगल में फेंक दिया था। मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस ने श्रद्धा के शरीर के 13 टुकड़े बरामद किए थे। आफताब पूनावाला न्यायिक हिरासत में है और तिहाड़ जेल नंबर 4 में बंद है।

हड़डियों के टुकड़ों का डीएनए श्रद्धा के पिता के नमूनों से मेल खा गया।

हत्या के आरोपी आफताब अमीन पूनावाला ने जांचकर्ताओं को बताया कि उसने अपनी लिव-इन पार्टनर श्रद्धा के शरीर के कई टुकड़े करके उनको जंगल में फेंक दिया था। मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस ने श्रद्धा के शरीर के 13 टुकड़े बरामद किए थे। आफताब पूनावाला न्यायिक हिरासत में है और तिहाड़ जेल नंबर 4 में बंद है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अग्निपथ योजना से संबंधित याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली (आरएनएस)। दिल्ली हाईकोर्ट ने गुरुवार को केंद्र की अग्निपथ योजना को चुनौती देने वाली याचिकाओं के तीन बैचों पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अदालत ने वकीलों से छुट्टियों से पहले अपनी लिखित दलीलें पेश करने को कहा है। केंद्र ने कहा है कि वह अग्निवीरों की भूमिका, जिम्मेदारियों और पदानुक्रम पर एक हलफनामा दाखिल करेगा।

हाईकोर्ट ने भारतीय सेना में अग्निवीरों और नियमित सिपाहियों (सैनिकों) के लिए अलग-अलग वेतनमान के केंद्र सरकार के फैसले पर सवाल उठाया था, क्योंकि दोनों कैडरों का कार्यक्षेत्र समान है।

केंद्र का प्रतिनिधित्व करते हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि अग्निवीर नियमित कैडर से अलग कैडर है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की खंडपीठ ने जवाब में कहा, अलग-अलग कैडर जॉब



सेवा करने के बाद यदि कोई स्वेच्छा से काम करता है और फिट पाया जाता है, तो उसे नियमित कैडर में भेज दिया जाएगा। केंद्र ने कहा कि यह योजना जल्दबाजी में नहीं बनाई गई है, बल्कि युवाओं के मनोबल को बढ़ाने और अग्निवीरों की रिस्कलेस मैनिंग के लिए काफी अध्ययन के साथ तैयारी की गई है।

एएसजी ने कहा कि अग्निवीर योजना पर फैसला लेने में पिछले दो वर्षों के दौरान बहुत कुछ किया गया है, जैसे कई आंतरिक बहारी परामर्श, कई बैठकें हुईं। हितधारकों के साथ भी परामर्श किया गया। भाटी ने यह भी तर्क दिया कि चूंकि भारतीय सशस्त्र बल दुनिया में सबसे अधिक पेशेवर सशस्त्र बल है, इसलिए जब वे इस तरह के बड़े नीतिगत फैसले ले रहे हों, तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना की शुरुआत के साथ देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। बाद में इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए

याचिकाओं के तीन बैच दायर किए गए। युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए बनाई गई इस योजना के तहत चार साल की अवधि के बाद चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में रखा जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि चार साल के बाद बाकी 75 प्रतिशत उम्मीदवार बेरोजगार हो जाएंगे और उनके लिए कोई योजना भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं में से एक ने सोमवार को तर्क दिया था, छह महीने में मुझे शारीरिक सहनशक्ति विकसित करनी है और इन हथियारों का उपयोग करना सीखना है। छह महीने बहुत कम समय है। लगत है, हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने जा रहे हैं। इस बारे में भी तर्क दिए गए कि जब फैसले ले रहे हों, तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना की शुरुआत के साथ देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। बाद में इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए

याचिकाओं के तीन बैच दायर किए गए। युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए बनाई गई इस योजना के तहत चार साल की अवधि के बाद चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में रखा जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि चार साल के बाद बाकी 75 प्रतिशत उम्मीदवार बेरोजगार हो जाएंगे और उनके लिए कोई योजना भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं में से एक ने सोमवार को तर्क दिया था, छह महीने में मुझे शारीरिक सहनशक्ति विकसित करनी है और इन हथियारों का उपयोग करना सीखना है। छह महीने बहुत कम समय है। लगत है, हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने जा रहे हैं। इस बारे में भी तर्क दिए गए कि जब फैसले ले रहे हों, तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना की शुरुआत के साथ देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। बाद में इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए

याचिकाओं के तीन बैच दायर किए गए। युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए बनाई गई इस योजना के तहत चार साल की अवधि के बाद चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में रखा जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि चार साल के बाद बाकी 75 प्रतिशत उम्मीदवार बेरोजगार हो जाएंगे और उनके लिए कोई योजना भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं में से एक ने सोमवार को तर्क दिया था, छह महीने में मुझे शारीरिक सहनशक्ति विकसित करनी है और इन हथियारों का उपयोग करना सीखना है। छह महीने बहुत कम समय है। लगत है, हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने जा रहे हैं। इस बारे में भी तर्क दिए गए कि जब फैसले ले रहे हों, तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना की शुरुआत के साथ देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। बाद में इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए

याचिकाओं के तीन बैच दायर किए गए। युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए बनाई गई इस योजना के तहत चार साल की अवधि के बाद चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में रखा जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि चार साल के बाद बाकी 75 प्रतिशत उम्मीदवार बेरोजगार हो जाएंगे और उनके लिए कोई योजना भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं में से एक ने सोमवार को तर्क दिया था, छह महीने में मुझे शारीरिक सहनशक्ति विकसित करनी है और इन हथियारों का उपयोग करना सीखना है। छह महीने बहुत कम समय है। लगत है, हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने जा रहे हैं। इस बारे में भी तर्क दिए गए कि जब फैसले ले रहे हों, तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना की शुरुआत के साथ देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। बाद में इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए

याचिकाओं के तीन बैच दायर किए गए। युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए बनाई गई इस योजना के तहत चार साल की अवधि के बाद चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में रखा जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि चार साल के बाद बाकी 75 प्रतिशत उम्मीदवार बेरोजगार हो जाएंगे और उनके लिए कोई योजना भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं में से एक ने सोमवार को तर्क दिया था, छह महीने में मुझे शारीरिक सहनशक्ति विकसित करनी है और इन हथियारों का उपयोग करना सीखना है। छह महीने बहुत कम समय है। लगत है, हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने जा रहे हैं। इस बारे में भी तर्क दिए गए कि जब फैसले ले रहे हों, तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना की शुरुआत के साथ देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। बाद में इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए

याचिकाओं के तीन बैच दायर किए गए। युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए बनाई गई इस योजना के तहत चार साल की अवधि के बाद चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में रखा जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि चार साल के बाद बाकी 75 प्रतिशत उम्मीदवार बेरोजगार हो जाएंगे और उनके लिए कोई योजना भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं में से एक ने सोमवार को तर्क दिया था, छह महीने में मुझे शारीरिक सहनशक्ति विकसित करनी है और इन हथियारों का उपयोग करना सीखना है। छह महीने बहुत कम समय है। लगत है, हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने जा रहे हैं। इस बारे में भी तर्क दिए गए कि जब फैसले ले रहे हों, तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना की शुरुआत के साथ देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। बाद में इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए

याचिकाओं के तीन बैच दायर किए गए। युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए बनाई गई इस योजना के तहत चार साल की अवधि के बाद चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में रखा जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि चार साल के बाद बाकी 75 प्रतिशत उम्मीदवार बेरोजगार हो जाएंगे और उनके लिए कोई योजना भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं में से एक ने सोमवार को तर्क दिया था, छह महीने में मुझे शारीरिक सहनशक्ति विकसित करनी है और इन हथियारों का उपयोग करना सीखना है। छह महीने बहुत कम समय है। लगत है, हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने जा रहे हैं। इस बारे में भी तर्क दिए गए कि जब फैसले ले रहे हों, तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना की शुरुआत के साथ देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। बाद में इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए

याचिकाओं के तीन बैच दायर किए गए। युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए बनाई गई इस योजना के तहत चार साल की अवधि के बाद चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में रखा जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि चार साल के बाद बाकी 75 प्रतिशत उम्मीदवार बेरोजगार हो जाएंगे और उनके लिए कोई योजना भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं में से एक ने सोमवार को तर्क दिया था, छह महीने में मुझे शारीरिक सहनशक्ति विकसित करनी है और इन हथियारों का उपयोग करना सीखना है। छह महीने बहुत कम समय है। लगत है, हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने जा रहे हैं। इस बारे में भी तर्क दिए गए कि जब फैसले ले रहे हों, तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना की शुरुआत के साथ देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। बाद में इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए

याचिकाओं के तीन बैच दायर किए गए। युवाओं को भारतीय सेना में भर्ती करने के लिए बनाई गई इस योजना के तहत चार साल की अवधि के बाद चयनित उम्मीदवारों में से केवल 25 प्रतिशत को ही सेना में रखा जाएगा। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि चार साल के बाद बाकी 75 प्रतिशत उम्मीदवार बेरोजगार हो जाएंगे और उनके लिए कोई योजना भी नहीं है। याचिकाकर्ताओं में से एक ने सोमवार को तर्क दिया था, छह महीने में मुझे शारीरिक सहनशक्ति विकसित करनी है और इन हथियारों का उपयोग करना सीखना है। छह महीने बहुत कम समय है। लगत है, हम राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने जा रहे हैं। इस बारे में भी तर्क दिए गए कि जब फैसले ले रहे हों, तो उन्हें बहुत अधिक छूट दी जानी चाहिए। इस योजना की शुरुआत के साथ देशभर में विरोध प्रदर्शन किए गए। बाद में इस योजना के तहत भर्ती प्रक्रिया और उम्मीदवारों की नियुक्ति को चुनौती देते हुए

रेलवे ट्रैक पर रील बनाते समय हादसा, ट्रेन की चपेट में आने से तीन लोगों की मौत

गाजियाबाद (आरएनएस)। गाजियाबाद में ट्रेन से टकराकर 3 लोगों की मौत हो गई है। इनमें दो युवक एक युवती शामिल है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये लोग रील बनाते के लिए रेलवे ट्रैक पर गए थे। तेज गति से आती ट्रेन की चपेट में आकर तीनों की मौत हो गई। घटना गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र के कल्लू गढ़ी रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक हुई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज उनकी पहचान का प्रयास कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी



के मुताबिक हादसा बुधवार रात करीब 9 बजे कल्लूगढ़ी फाटक और डासन स्टेशन के बीच में हुआ। पदावत एक्सप्रेस गाजियाबाद से मुरादाबाद की तरफ जा रही थी। ट्रेन के लोको पायलट ने बताया कि तीन युवक-युवती ट्रेन की पटरी पर खड़े थे। उनके मोबाइल की

फ्लैश लाइट चालू थी, जिससे ये प्रतीत हो रहा था कि वो वीडियो शूट कर रहे हैं। पायलट ने कई बार हॉर्न भी दिया, लेकिन वे हट नहीं और ट्रेन के चपेट में आ गए। पुलिस ने बताया कि मरने वाले एक व्यक्ति के मोबाइल की डिस्कले स्क्रीन टूट गई, लेकिन वह काम कर रहा था। इस मोबाइल के जरिये एक मृतक की पहचान 25 वर्षीय शकील पुत्र बशीर के रूप में हुई। वो मसूरी में खाचा रोड

गैंगस्टर विकास लगरपुरिया को हरियाणा पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। गैंगस्टर विकास लगरपुरिया को हरियाणा पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी है कि विकास लगरपुरिया को दुबई से भारत डिपोर्ट किया गया था। बीती रात हरियाणा पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट पर उसे गिरफ्तार कर लिया। वह दिल्ली से सटे गुरुग्राम में 30 करोड़ की चोरी के केस में मास्टरमाइंड था।

गुरुग्राम स्थित खेडकीदौला थाना इलाके में साल 2021 में 5 अगस्त के दिन 30 करोड़ रुपये की सनसनीखेज चोरी का मामला सामने आया था। इस वारदात में दूसरे आरोपियों की गिरफ्तारी से खुलासा हुआ था कि गैंगस्टर विकास लगरपुरिया इस चोरी का मास्टरमाइंड है। बदमाशों

ने अल्फाजी कार्प मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की रकम चुराई थी। पुलिस इस हाई प्रोफाइल चोरी के मामले में अब तक 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि गैंगस्टर विकास लगरपुरिया के दुबई होने के इनपुट मिले थे। इसके बाद रेंड कॉर्नर सेक्यूलर जारी किया गया था। इसके आधार पर दुबई में इसे दबोच लिया गया था। इसके बाद उसे अब भारत लाया गया। दिल्ली एयरपोर्ट पर हरियाणा पुलिस ने विकास लगरपुरिया को औपचारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया। विकास लगरपुरिया पर हत्या, लूट, वसूली के कई मामले दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल भी विकास से पूछताछ करेगी।

नई दिल्ली (आरएनएस)। गैंगस्टर विकास लगरपुरिया को हरियाणा पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी है कि विकास लगरपुरिया को दुबई से भारत डिपोर्ट किया गया था। बीती रात हरियाणा पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट पर उसे गिरफ्तार कर लिया। वह दिल्ली से सटे गुरुग्राम में 30 करोड़ की चोरी के केस में मास्टरमाइंड था।

गुरुग्राम स्थित खेडकीदौला थाना इलाके में साल 2021 में 5 अगस्त के दिन 30 करोड़ रुपये की सनसनीखेज चोरी का मामला सामने आया था। इस वारदात में दूसरे आरोपियों की गिरफ्तारी से खुलासा हुआ था कि गैंगस्टर विकास लगरपुरिया इस चोरी का मास्टरमाइंड है। बदमाशों

ने अल्फाजी कार्प मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की रकम चुराई थी। पुलिस इस हाई प्रोफाइल चोरी के मामले में अब तक 17 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि गैंगस्टर विकास लगरपुरिया के दुबई होने के इनपुट मिले थे। इसके बाद रेंड कॉर्नर सेक्यूलर जारी किया गया था। इसके आधार पर दुबई में इसे दबोच लिया गया था। इसके बाद उसे अब भारत लाया गया। दिल्ली एयरपोर्ट पर हरियाणा पुलिस ने विकास लगरपुरिया को औपचारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया। विकास लगरपुरिया पर हत्या, लूट, वसूली के कई मामले दर्ज हैं। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल भी विकास से पूछताछ करेगी।

वेदांता इलेक्ट्रोस्टील प्लांट में हादसा, चार मजदूर झुलसे, दो गंभीर

बोकारो (आरएनएस)। वेदांता इलेक्ट्रोस्टील प्लांट में घटना की सूचना पाते ही प्लांट की आंतरिक सुरक्षा में लगे अग्निशमन की गाड़ियों मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया गया। बता दें कि प्लांट के कुछ हिस्सों में विद्युत आपूर्ति ठप हो गई थी, जिसे ठीक करने के लिए एमआरएस के विद्युत स्टेशन में मजदूर काम कर रहे थे। इसी दौरान टेस्टिंग की गई जिसके बाद ट्रांसफार्मर बल्लास्ट कर गया। फ्लैश ओवर में आग लग गई। आग की लपटें तेज थी, देखते ही देखते मजदूरों को अपने आंगोश में ले लिया। यह कार्य एलबी के माउंट करने के लिए स्वतंत्र हैं। विदेशी एयरलाइंस द्विपक्षीय व्यवस्था के तहत उपलब्ध कॉल के निर्दिष्ट बिंदुओं पर काम कर सकती हैं।



बताई जा रही है। वेदांता इलेक्ट्रोस्टील प्लांट में एमआरएस में विद्युत आपूर्ति में उत्पन्न समस्या को दूर करने के दौरान शॉर्ट सर्किट से आग लगने से चार मजदूर बुरी तरह झुलसे गए। जिसमें एक मजदूर पार्थ राणा मांडी समेत दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बंगाल के हैं सभी मजदूर घटना के बाद प्रबंधन ने जखमी

मजदूरों को इलाज के लिए बीजीएच में भर्ती कराया। जखमी हुए मजदूर पश्चिम बंगाल के कल्याण निवासी पार्थ प्रीतम मांडी 26 वर्ष, बाबूपाड़ा निवासी अनिल वान मैत्री 19 वर्ष, हंडु वन के निवासी साहेब भुइयां 23 वर्ष, दातुनी गांव निवासी पलाश पॉल 28 वर्ष शामिल हैं। घटना में जले पार्थ प्रीतम मांडी और पलाश पॉल की हालत गंभीर बनी हुई है। कंपनी के सेफ्टी ऑफिसर वेंकटेश ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल पहुंचे हैं। 4 लोग घायल हुए हैं।

सभी के बेहतर इलाज की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि घटना के कारणों की जांच कराई जाएगी। अंचल अधिकारी दिलीप कुमार समेत पुलिस अधिकारियों ने भी अस्पताल पहुंचकर झुलसे मजदूरों का हाल जाना। सीओ दिल्ली प्रदीप कुमार ने कहा कि चार लोग जखमी हुए हैं, घटना की जांच कराई जाएगी। चंदनकिरिया के पूर्व विधायक सह पूर्व मंत्री उमाकान्त रजक ने हादसे को प्लांट प्रबंधन की बड़ी लापरवाही बताया है। उन्होंने कहा कि मजदूरों के लिए सेफ्टी की समुचित व्यवस्था नहीं है, जिसके कारण यह घटना घटी है, वे मजदूरों से मिलने अस्पताल पहुंचे थे।